हरियाणा में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने **हरियाणा में** 10,000 करोड़ रुपए की **विकास और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का** शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

प्रमुख परियोजनाएँ:

- **यमुनानगर में थर्मल पावर विस्तार:**
    - **प्रधानमंत्री ने यमुनानगर में दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट** की 800 मेगावाट की तीसरी इकाई की आधारशिला रखी, जिसकी लागत 8,469 करोड़ रुपए होगी।
    - यह इकाई 233 एकड़ में बनाई जाएगी और इसका वाणिज्यिक परिचालन मार्च 2029 तक शुरू होने की उम्मीद है।
    - चालू हो जाने पर, हरियाणा की आंतरिक **विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 3,382 मेगावाट हो जाएगी।**
- **यमुनानगर में अपशिष्ट से ऊर्जा के लिये गोबरधन संयंत्र:**
    - **प्रधानमंत्री** ने यमुनानगर के मुकारमपुर में 90 करोड़ रुपए के **गोबरधन प्लांट** की आधारशिला भी रखी।
    - **यह यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) के बीच एक सहयोग है।**
    - मई 2027 तक पूरा होने वाला यह **संयंत्र निम्नलिखित प्रसंस्करण करेगा:**
        - 45,000 मीट्रिक टन **ठोस अपशिष्ट,**
        - प्रतिवर्ष 36,000 मीट्रिक टन गोबर निकलेगा है।
- **इससे निम्नलिखित उत्पन्न होगा:**
    - प्रतिवर्ष 2,600 मीट्रिक टन संपीड़ित बायोगैस (CBG) (CNG के बराबर),
- 10,000 मीट्रिक टन **जैव-उर्वरक**
    - इस परियोजना से CO_2 उत्सर्जन में 7,700 मीट्रिक टन/वर्ष की कटौती होगी, लैंडफिल में आग लगने की घटनाओं को रोका जा सकेगा और **वायु प्रदूषण में कमी आएगी।**
- **यातायात सुगम बनाने के लिये रेवाड़ी बाईपास का उद्घाटन:**
    - **उन्होंने भारतमाला योजना के तहत हाइब्रिड एन्युटी मोड** में 1,069 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित रेवाड़ी बाईपास का भी उद्घाटन किया।
    - 14.4 किलोमीटर लंबा चार लेन वाला बाईपास NH-352 को NH-11 से जोड़ता है, जिससे नारनौल तक पहुँच में सुधार होगा और रेवाड़ी शहर बाईपास हो जाएगा।
- **हिसार के लिये नया हवाई अड्डा टर्मिनल:**
    - **उन्होंने हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन** की आधारशिला रखी, जिसकी लागत 410 करोड़ रुपए से अधिक होगी।
    - प्रधानमंत्री ने हरियाणा को **अयोध्या धाम से जोड़ने वाली आगामी उड़ानों की घोषणा की।**

संपीड़ित बायोगैस (CBG)

- **संपीड़ित बायोगैस (CBG):** CBG एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है जो **कृषि अवशेष,** मवेशियों के गोबर, नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट और सीवेज मल सहित जैविक अपशिष्ट से उत्पादित होता है।
    - यह जीवाश्म ईंधनों के स्थान पर कृषि एवं पशु अपशिष्टों का प्रबंधन करने तथा खुले में जलाने को कम करने में मदद करता है।

गोबरधन योजना

- **गोबरधन योजना:** गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (GOBARdhan) पहल का ध्यान चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये अपशिष्ट को धन में परिवर्तित करने पर केंद्रित है।

- इसका उद्देश्य सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिये **बायोगैस/संपीड़ित बायोगैस (CBG)/Bio-CNG संयंत्रों** के लिये एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।
- **जल शक्ति मंत्रालय** का पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) **नोडल विभाग** के रूप में कार्य करता है।

भारतमाला परियोजना

- इसकी **शुरुआत वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने की थी**। यह **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) के तहत शुरू किया गया एक व्यापक कार्यक्रम है**।
- योजना के तहत सरकार का इरादा **लगभग 7 लाख करोड़ रुपए के निवेश से 83,677 किलोमीटर राजमार्ग और सड़कें बनाने है।**
- पहले चरण में 5.35 लाख करोड़ रुपए की लागत से 34,800 किलोमीटर राजमार्ग बनाने की योजना है।
- यह सीमा एवं अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी सड़कों, तटीय और बंदरगाह कनेक्टिविटी सड़कों के विकास, राष्ट्रीय गलियारों, आर्थिक गलियारों तथा अन्य की दक्षता में सुधार जैसी **नई पहलों पर केंद्रित है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/development-projects-inaugurated-in-haryana